भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1481
उत्तर देने की तारीख: 5 दिसम्बर, 2011

कृषि और ग्रामीण उद्योग का विकास

1481. श्री धीरज प्रसाद साहू:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या झारखंड में जड़ी-बूटी संबंधी उत्पादों, मिट्टी, बांस आदि से बनी परम्परागत मदों जैसे कृषि और ग्रामीण उद्योगों के विकास की अकूत संभावना है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार द्वारा इन उद्योगों का विकास कर ग्रामीण बेरोजगारी दूर करने संबंधी कोई कार्ययोजना तैयार की गई है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) क्या सरकार ने इन उद्योगों में नियुक्त लोगों को प्रशिक्षण, वित्तीय और तकनीकी सहयोग तथा विपणन प्रदान करने हेतु कोई दिशानिर्देश जारी किए हैं; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री
(श्री वीरभद्र सिंह)

(क) से (च) जी, हां । झारखंड में खनिज एवं वन आधारित उद्योगों सहित कृषि एवं ग्रामीण उद्योगों के विकास की संभावनाएं है । सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) में भारत सरकार झारखंड सहित, देश में कृषि एवं ग्रामीण उद्योगों का संवर्द्धन कर रही है । विशेष रूप से यह गैर-कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए मार्जिन मनी सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) नाम से एक क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रही है। गत तीन वर्षों के दौरान पीएमईजीपी के तहत आकलित 23,680 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करते हुए, 40.43 करोड़ रू. की मार्जिन मनी सहायता के साथ झारखंड में कुल 2396 इकाइयों की सहायता की गई है । उद्यमिता विकास प्रशिक्षण तथा बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिकेंज पीएमईजीपी का अनिवार्य संघटक है ।

*****